ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 173

अब ये भी मुमकिन है : अफगान विदेश मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को बाहर रखने पर विवाद



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, नई दिल्ली। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की शुक्रवार को दिल्ली में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री रोक दिए जाने को लेकर विवाद पैदा हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि देश की सक्षम महिलाओं का अपमान कैसे होने दिया गया, जबकि महिलाएं देश की रीढ़ और गौरव हैं। इस पर विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस अफगानी एंबेसी में आयोजित की गई थी और भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का इसमें कोई रोल नहीं था। महिला पत्रकारों को शामिल न करने का निर्णय अफगान दूतावास और तालिबान अधिकारियों ने लिया। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मुत्तकी 9 से 16 अक्टूबर तक भारत दौरे पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की, लेकिन कोई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई। अफगानी दूतावास में मीडिया से सीधे बातचीत में केवल पुरुष पत्रकार शामिल थे। कई महिला पत्रकारों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें प्रवेश ही नहीं दिया गया। तालिबान प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि महिला पत्रकारों को शामिल न करना किसी नीति या भेदभाव के कारण नहीं हुआ, बल्कि यह अनजाने में हुआ। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में महिला पत्रकारों को सही समन्वय और पूर्व सूचना के बाद शामिल किया जाएगा। इस मामले पर विपक्षी नेता भी मुखर हुए। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री की चुप्पी महिला पत्रकारों के खिलाफ भेदभाव को उजागर करती है। पी. चिदंबरम ने पुरुष पत्रकारों से सवाल किया कि उन्हें महिला सहकर्मियों के लिए बाहर जाने का संकेत देना चाहिए था। वहीं, महुआ मोइत्रा ने कहा कि विदेशी अधिकारियों द्वारा भारतीय जमीन पर महिलाओं के साथ भेदभाव की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। आपको बता दें कि तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद महिलाओं के कई अधिकारों पर प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें लड़कियों का स्कूल जाना, सार्वजनिक बोलने और खेलों में भाग लेने पर रोक शामिल है।

चीन पर ट्रम्प का 100% टैरिफ, भारत को फायदा:टेक्सटाइल से लेकर फुटवियर जैसे सेक्टर में एक्सपोर्ट बढ़ने की उम्मीद



24 न्यूज अपडेट

अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर से भारतीय एक्सपोर्टर्स को फायदा हो सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक दिन पहले चीन पर 100% टैरिफ लगाने का ऐलान किया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे भारतीय एक्सपोर्टर्स को अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का मौका मिलेगा।

ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि नया टैरिफ 1 नवंबर से लागू होगा। चीन से अमेरिका आने वाले सामानों पर पहले से 30% टैरिफ लग रहा है। ऐसे में चीन पर कुल 130% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने 1 नवंबर से सभी अहम सॉफ्टवेयर के निर्यात पर भी कंट्रोल करने की बात कही है।

दरअसल, चीन ने 9 अक्टूबर को दुर्लभ खनिज (रेयर अर्थ मटेरियल) पर निर्यात को और कड़ा कर दिया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नए टैरिफ लगाने की बात कही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के बीच इस ट्रेड वॉर का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है, लेकिन भारत के लिए यह एक बड़ा मौका साबित हो सकता है।

चीन पर ट्रम्प के 100% टैरिफ का असर:

अमेरिकी शेयर बाजार को 1.5 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान, एपल-एडविडिया के शेयर 5% तक गिरे

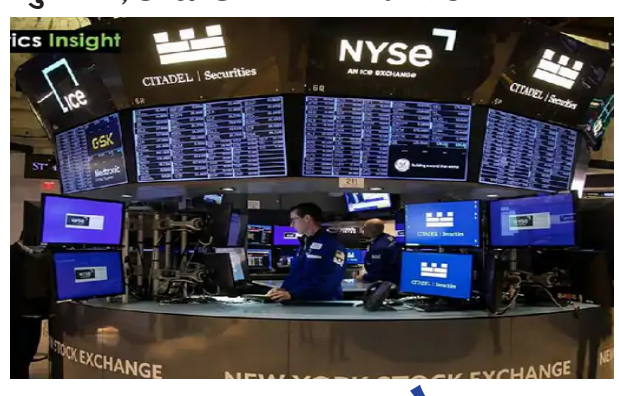

24 न्यूज अपडेट

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार (10 अक्टूबर) को चीन पर 100% टैरिफ लगाने की घोषणा की। उनके इस ऐलान के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में भारी बिकवाली हुई।

शुक्रवार को बाजार बंद होने पर नैस्डैक 3.56% गिरकर 22,204 के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जोंस में 1.90% की गिरावट रही ये 45,480 के स्तर पर आ गया। वहीं, S&P 500 में 2.71% की गिरावट आई, ये 6,553 के स्तर पर बंद हुआ। इसके लगभग हर सात में से छह शेयर गिर गए।

अमेरिकी शेयर बाजार की वैल्यू 1.5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा गिरी

शुक्रवार को हुई गिरावट के चलते अमेरिकी शेयर बाजार से 1.5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की मार्केट वैल्यू कम हो गई। वहीं क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में 19 बिलियन डॉलर की लिक्विडेशन हुई, जो अब तक का सबसे बड़ा सिंगल-डे आंकड़ा है।

एनवीडिया का शेयर 5% तक गिरा

अचानक बिकवाली से एनवीडिया का शेयर 5% गिर गया। वहीं एपल के शेयर में भी 3.45% की गिरावट देखी गई। टैरिफ और ट्रेड को लेकर अनिश्चितता से उबरने की कोशिश कर रही छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली।

पश्चिम बंगाल में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेप:3 लोगों ने रास्ता रोका, दरिंदगी की; साथ में दोस्त था, वह छोड़कर भाग गया



24 न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। वारदात शुक्रवार की है। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थी। वापस लौटते समय 3 लोगों ने उनका रास्ता रोका। छात्रा का दोस्त उसे छोड़कर भाग गया, जिसके बाद आरोपियों ने उससे दरिंदगी की।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैंपस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की टीम रविवार को दुर्गापुर जा रही है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को बलात्कारियों और अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना दिया है। छात्रा बोली- आरोपियों ने फोन वापस करने के लिए पैसे मांगे

छात्रा कॉलेज से रात करीब 8:30 से 9 बजे बाहर गई थी। रात करीब 10 बजे वापस लौटते समय गैंगरेप की घटना हुई। छात्रा के माता-पिता को देर रात मामले की जानकारी दी गई। वे आज सुबह दुर्गापुर पहुंचे और दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने बताया कि जब तीन लोगों ने उसका रास्ता रोका, तो उसका दोस्त उसे अकेला छोड़कर चला गया। फिर आरोपियों ने उसका फोन छीन लिया और उसे जंगल में ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ रेप किया।

आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर छात्रा को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। फिर उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने पीड़ित छात्रा का बयान दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि कल रात पीड़ित की दोस्त से भी पूछताछ की गई है। CCTV फुटेज की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी। अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से भी पूछताछ हो रही है।

छात्रा के पिता बोले- कॉलेज में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं

घटना पर छात्रा के पिता ने कहा- हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मैंने सुना था कि कॉलेज अच्छा है, इसलिए अपनी बेटी को यहां मेडिकल की पढ़ाई के लिए भेजा था। कभी नहीं सोचा था कि उसके साथ ऐसा कुछ होगा। यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है।

महिला आयोग की टीम दुर्गापुर रवाना

राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) की टीम दुर्गापुर जा रही है ताकि पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात कर सहायता दी जा सके। NCW सदस्य अर्चना मजूमदार ने कहा, "बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस सक्रिय कदम नहीं उठा रही, यह चिंताजनक है। मुख्यमंत्री को तुरंत कदम उठाने चाहिए।"

शिवकुमार बोले- मुझे पता है अपना टाइम कब आएगा:कर्नाटक CM बनने को लेकर कहा- 2028 में दोबारा कांग्रेस सरकार बनाऊंगा, तब मेरा समय आएगा



24 न्यूज अपडेट

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री बनने की खबरों को सख्ती से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग और मीडिया भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि उनकी प्राथमिकता सिर्फ पार्टी के लिए काम करना है। शिवकुमार ने लालबाग में कहा- मैंने नेतृत्व परिवर्तन पर कोई बात नहीं की है। कुछ लोगों की इच्छा है कि मैं सीएम बनूं। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या इसका समय नजदीक आ रहा है, तो मैंने बस कहा- देखिए। इसका मतलब यह नहीं कि मैं किसी पद के लिए प्रयास कर रहा हूं। डिप्टी सीएम ने कहा- 'कुछ मीडिया वाले भ्रम फैला रहे हैं। मुझे पता है मेरा टाइम कब आएगा। मेरा टाइम तब होगा जब मैं 2028 में कर्नाटक में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाऊंगा। यही मेरा लक्ष्य है।' कांग्रेस नेता ने नाराजगी जताते हुए कहा- 'अगर कोई झूठी बातें फैला रहा है या कोई चैनल गुमराह करने की कोशिश कर रहा है तो मुझे आपके (मीडिया) खिलाफ मानहानि का केस करना पड़ेगा। मैं पूरी तरह से सचेत हूं।'

CTAE एलुमनाई सोसाइटी का 23वां वार्षिक आयोजन 12 को

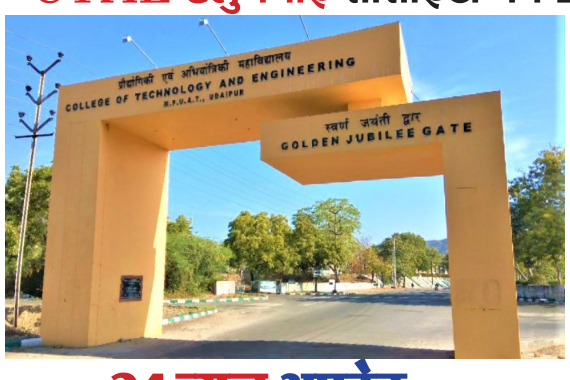

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग (CTAE), MPUAT की एलुमनाई सोसाइटी का 23वां वार्षिक आयोजन कल, 12 अक्टूबर 2025 को महाविद्यालय के एवीपी सभागार में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन CTAE की तकनीकी उत्कृष्टता, सामाजिक योगदान और समृद्ध विरासत को रेखांकित करने का अवसर है। इस अवसर पर देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा दे रहे CTAE के पूर्व छात्र एकत्रित होंगे। 1965, 1975 और 2000 बैच के एलुमनाई को क्रमशः डायमंड, गोल्डन और सिल्वर जुबली सम्मान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सीटीई महाविद्यालय के फाउंडर अधिष्ठाता डॉ. के.एन. नाग की प्रतिमा का अनावरण करके की जाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुरेश मुकेरिया, कमिश्नर CBIC, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.एस. सोढ़ी, पूर्व प्रबंध निदेशक, अमूल डेयरी, गुजरात, और प्रेसिडेंशियल अतिथि डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक, कुलपति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ. सुनील जोशी, अधिष्ठाता, और श्री विपिन लड्ढा, अध्यक्ष, डॉ. सांवल सिंह मीना, सचिव CTAE एलुमनाई सोसाइटी भी शामिल होंगे। इस आयोजन में 1000 से अधिक पूर्व छात्र शामिल होंगे, जो देश-विदेश की सरकारी और गैर-सरकारी कंपनियों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8 पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा और 11 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। CTAE में वर्तमान में 7000 से अधिक पूर्व छात्र सक्रिय हैं, जो देश-विदेश की प्रतिष्ठित संस्थाओं में योगदान दे रहे हैं। यह वार्षिक आयोजन पूर्व छात्रों को एक मंच पर लाकर संस्थान की उपलब्धियों को साझा करने, नवाचारों पर चर्चा करने और भावी योजनाओं को साकार करने का अवसर प्रदान करता है। यह जानकारी पीआरओ जीएल मीना ने दी।

भीलवाड़ा में पूर्व सरपंच कांग्रेस नेता पर बाइक सवार बदमाशों ने सरेराह कर दी फायरिंग

24 न्यूज अपडेट

शहर के मेन मार्केट में शनिवार शाम पूर्व सरपंच और कांग्रेस नेता हरफूल जाट पर दो बदमाशों ने हमला किया। घटना के समय बाजार में अफरातफरी मच गई।

पुलिस के अनुसार, घटना सरकारी दरवाजा इलाके में शाम करीब 7 बजे हुई। हरफूल जाट अपने एक्टिवा पर बाजार की ओर आ रहे थे, तभी बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए और उन पर हमला शुरू कर दिया। बदमाशों ने लाठी, सरिया और तलवार से वार किया। हरफूल ने तलवार से वार को अपने हाथ से रोका, जिसमें उनका हाथ जख्मी हो गया। हमले के दौरान एक बदमाश ने फायरिंग भी की, जो हरफूल के पास से मिसफायर हो गई। मौजूद लोगों और दुकानदारों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। घायल हरफूल जाट को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक तलवार और लाठी बरामद की है। मौके पर एसपी धर्मेंद्र सिंह, सीओ सिटी मनीष बड़गुर्जर और कोतवाल गजेंद्र सिंह पहुंचे और जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, हरफूल जाट का वर्तमान सरपंच पति बाबूलाल आचार्य से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान तथा गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

डी-मार्ट को दूसरी-तिमाही में 746 करोड़ का मुनाफा



24 न्यूज अपडेट

रिटेल चेन डी-मार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 746 करोड़ रुपए का मुनाफा (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 5.07% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में भी कंपनी को 710 करोड़ का ही मुनाफा हुआ था।

जुलाई-सितंबर तिमाही में डी-मार्ट ने ऑपरेशन से 16,219 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया, सालाना आधार पर यह 15.43% बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 14,050 करोड़ रहा था। वस्तुओं और सेवाओं के बेचने से मिलने वाला पैसा रेवेन्यू या राजस्व होता है।

संपादकीय : मतदान का हक

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए। देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिव और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है। यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकाय को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें। विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है। इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में यह सोचने की जरूरत है कि मतदाता सूची के पूरी तरह शुद्धिकरण के दावे के साथ निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की जो कवायद की, उसका हासिल क्या रहा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए निर्वाचन आयोग ने जिस तरह आधार कार्ड को अमान्य कर दिया था, अगर सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से उसे एक स्वीकार्य दस्तावेज नहीं बताया गया होता, तो कितने और लोग मतदाता सूची से बाहर होते ।

शांति का संदेश

वे नेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का एलान न केवल शांति के पक्ष में उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी इसे एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। शांति का अर्थ व्यापक है, इसमें संघर्ष और हिंसा से दूर रहना, समाज में सद्भाव एवं समानता, मानवाधिकारों की रक्षा, समृद्धि और न्याय जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और विपक्ष को एकजुट कर संपूर्ण व्यवस्था में सुधार लाने के वास्ते शांतिपूर्ण प्रयासों के लिए यह पुरस्कार मिला है। उन्हें एक ऐसी शख्सियत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों और बाधाओं को अपने साहस एवं जज्बे से मात देकर शांति की राह पर आगे बढ़ने की सीख दी है। उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में भी मान्यता मिली है, जो व्यवस्थागत अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखने में सक्षम हैं। इससे पहले उन्हें यूरोपीय संघ के सर्वोच्च मानवाधिकार पुरस्कार 'सखारोव' से भी सम्मानित किया जा चुका है। मारिया मचाडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इससे पहले उन्होंने गहन तौर पर विभाजित रहे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई । उन्होंने एक ऐसा विपक्ष खड़ा किया, जिसने स्वतंत्र चुनाव और प्रतिनिधि सरकार की मांग को समान रूप से उठाया । बाद में उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। उनकी जान को गंभीर खतरा था, इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहीं यह सच है कि किसी भी पुरस्कार का असली हकदार वही होता है, जिनके अभूतपूर्व कार्यों और उनके प्रभाव की तस्वीर धरातल पर साफ नजर आती हो। सिर्फ दावों का डंका बजाकर किसी समाज, राष्ट्र या दुनिया में धारणा का एक अस्थिर ढांचा खड़ा करने की कोशिश करने वालों की सच्चाई छिप नहीं पाती है। मचाडो को मिला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वास्तव में महिलाओं को हर परिस्थिति में संघर्ष करते रहने की प्रेरणा भी देता है ।

आदिवासी नेताओं ने कहा- कोटड़ा आज भी 'कालापानी' 40 साल बाद भी हालात जस के तस



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 अक्टूबर। "सरकारी कर्मचारियों को अगर सजा देनी हो, तो उन्हें कोटड़ा भेज दो"— यह कहावत आज भी सच लगती है। कोटड़ा आज भी कालापानी बना हुआ है, जहां आज़ादी के 75 साल बाद भी विकास केवल भाषणों और योजनाओं में सिमटकर रह गया है। यह बात अखिल भारतीय किसान सभा और आदिवासी जन अधिकार एका मंच द्वारा शुक्रवार को कोटड़ा में आयोजित आम सभा में मंच के राज्य अध्यक्ष दुलीचंद मीणा ने कही। उन्होंने कहा — "मैं 40 साल पहले कोटड़ा आया था, तब भी यही कहा जाता था कि कोटड़ा सजा की जगह है, और आज भी वही हाल है। इसके जिम्मेदार वे हैं, जो पिछले 40 साल से सत्ता में हैं — सांसद, विधायक और मंत्री।"

"आदिवासी जंगल का राजा, लेकिन लुटेरे बन गए अफसर और नेता"

मीणा ने कहा कि आदिवासी देश की आज़ादी के सच्चे योद्धा रहे हैं, लेकिन सरकारों ने उन्हें ठगा है। "आदिवासी जंगल का राजा और रक्षक है, लेकिन नेताओं और अफसरों ने जंगल बचाने के नाम पर ही उसे बर्बाद कर दिया। देश के 15 करोड़ आदिवासियों का संसाधनों पर 1.5% भी हक नहीं है।" उन्होंने चेतावनी दी कि आदिवासियों को किसी धर्म से जोड़ने की कोशिश उनकी संस्कृति और अस्तित्व के साथ अन्याय है।

"मोदी की गारंटी, बिल्ली को दूध की रखवाली जैसी"

राज्य सचिव विमल भगोरा ने कहा कि आज देश में "कानून नहीं, जंगलराज" चल रहा है। उन्होंने व्यंग्य किया — "मोदी की गारंटी तो वैसी ही है जैसे बिल्ली को दूध की रखवाली की गारंटी दे दी जाए।" उन्होंने कहा कि बीजेपी "हिंदू राष्ट्र" और "भील प्रदेश" की बातें तो करती है, पर आदिवासियों के असली मुद्दों पर खामोश है। "आज आदिवासी की जान की कीमत पाँच बकरियां है, जबकि बाकी समाज में जान की कीमत करोड़ों में आँकी जाती है।"

"देश नहीं बिकने दूंगा — ये भी एक जुमला"

सभा में माकपा जिला सचिव राजेश सिंघवी ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा — "तेल बेच दिया, रेल बेच दी, सड़क बेच दी, पानी और बिजली बेच दी — और फिर कहते हैं देश नहीं बिकने दूंगा! यह भी एक जुमला है।" उन्होंने पूछा — "जब एक देश, एक टैक्स की बात करते हैं तो पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में क्यों नहीं लाते? यह लूट का एजेंडा है।" "कोटड़ा का पानी मारवाड़ जा रहा है, किसान प्यासे हैं" आदिवासी मंच के जिला सचिव प्रेम पारगी ने कहा कि कोटड़ा में बांध बना कर यहां का पानी मारवाड़ भेजा जा रहा है, जबकि नारे हैं 'हर घर नल का जल'। उन्होंने कहा — "यहां की फसलें बारिश से नष्ट हो गईं, लेकिन मुआवजा नहीं मिला। युवाओं को मुफ्त बस यात्रा की घोषणा हुई, पर बसें ही नहीं हैं।"

"हम सबका पेट भरते हैं, पर खुद भूखे हैं"

सभा में किसान नेता जगदीश पारगी ने कहा — "हम देश का पेट भरते हैं, लेकिन खुद भूखे हैं। जंगल हमारी आत्मा है, और उसे हमसे छीना जा रहा है।"उन्होंने कहा कि बेरोज़गारी के कारण यहां के युवा गुजरात पलायन कर रहे हैं, जहाँ मजदूरी के साथ हमारी बेटियों की इज़्ज़त भी लूटी जा रही है, पर पुलिस चुप है।

"स्मार्ट मीटर लूट का नया तरीका"

जिलाध्यक्ष हाकरचंद खराड़ी ने कहा कि सरकार आम जनता को लूटने के नए-नए तरीके निकाल रही है, "स्मार्ट मीटर इसका ताज़ा उदाहरण है।" किसान नेता बाबूलाल वडेरा ने कहा —"टीवी, अख़बार और मोबाइल पर मोदी के प्रचार से गरीब का पेट नहीं भरता। मोदी की गारंटी दरअसल अडानी-अंबानी को जनता को लूटने की गारंटी है।"

"दो महीने में संभागीय आयुक्त तक पैदल मार्च"

सभा की अध्यक्षता करते हुए दलाराम ने चेतावनी दी कि यदि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो दो महीने में संभागीय आयुक्त कार्यालय तक पैदल मार्च कर सरकार का घेराव किया जाएगा। सभा के अंत में जगदीश पारगी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार कोटड़ा को ज्ञापन सौंपा, जिसमें क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और आदिवासियों पर हो रहे अन्याय को रोकने की मांग की गई।

दहेज प्रताड़ना का मामला: तीन बेटियों की मां ने जहर खाकर दी जान, ससुराल पक्ष पर जबरन कीटनाशक पिलाने का आरोप



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। आनंदपुरी थाना क्षेत्र के फलवा गांव में तीन बेटियों की मां ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतका के पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जबरन कीटनाशक दवा पिलाने का गंभीर आरोप लगाया है। एएसआई कल्याण सिंह ने बताया कि फलवा निवासी रेखा (29) पत्नी राजेश पटेल की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका के भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पीहर पक्ष का आरोपः ससुराल वालों ने दी यातनाएं, जबरन पिलाया जहर मृतका के भाई राकेश कटारा (निवासी मोटी टिम्बी) ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन रेखा और जीजा राजेश गुजरात के काठियावाड़ में रहकर मजदूरी करते थे। इसी दौरान 3 अक्टूबर को रेखा ने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। स्थानीय अस्पताल में इलाज के बाद 5 अक्टूबर को वह फलवा स्थित अपने घर लौट आई। इसके पांच दिन बाद फिर से उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए एमजी अस्पताल, बांसवाड़ा लेकर आए। इलाज के दौरान रेखा की मौत हो गई। इस मामले में मृतका के पति राजेश पुत्र मोहनलाल, सास देवी और ससुर मोहनलाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। 2013 में हुई थी शादी, विवाह के बाद से प्रताड़ना का सिलसिला राकेश कटारा ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन रेखा की शादी वर्ष 2013 में फलवा निवासी राजेश से हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद से ही रेखा के पति, ससुर और सास दहेज की मांग को लेकर उसे रोजाना गाली-गलौज और मारपीट करते थे। परिवारजन के अनुसार, रेखा को शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। साथ ही, पति राजेश से अलग रहने का दबाव भी डाला जा रहा था। इसी विवाद के चलते ससुराल पक्ष के लोगों ने मिलकर उसे जबरन कीटनाशक दवा पिला दी। कीटनाशक पीने के बाद रेखा की हालत बेहद गंभीर हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 10 अक्टूबर को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका अपने पीछे तीन नाबालिग बेटियां छोड़ गई है।

शक्तिनगर बोटलनेक पर टेम्परेरी राहत का ढक्कन, चौपहिया का प्रवेश निषेध



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के शक्तिनगर में बोटल नेक पर आज सड़क के बीच एक अवरोधक लगाकर चार पहिया वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। अब यहां से केवल टू व्हीलर वाहन ही गुजर सकता है। आज कई महीनों बाद बोटल नेक ने चेन की सांस ली है। आपको बता दें कि कल ट्वंटी फोर न्यूज अपडेट में हमने यह खबर दिखाई थी कि बोटल नेक के रास्ते से बड़े-बड़े डम्पर और क्रेनें गुजर रही थी। इससे भीषण हादसे का अंदेशा हो गया था। इसके साथ ही नगर निगम के मेले में आने वाली भीड़ के भी यहां से गुजरने का अंदेशा था। यह रास्ता इतना ज्यादा खस्ताहाल कि अब और यातायात का इतना दबाव नहीं झेल सकता। ऐसे में अवरोधक लगने से अब चौपहिया वाहनों के लिए बोटल नेक का रास्ता बंद हो गया है। नगर निगम ने भी बिना सोचे समझे एलिवेटेड रोड के काम के बावजूद इस बार राजनीतिक दबाव में आकर मेला निगम प्रांगण में ही रख दिया। मेले की भीड़ व पुराने अनुभवों को देखते हुए इस फैसले से बापू बाजार और शक्तिनगर के सभी व्यापारी और निवासी परेशान थे। उन्होंने जिला प्रशासन से संभावित यातायात जाम की परेशानी को लेकर अपना पक्ष रखा मगर उसको प्रशासन ने अनसुना कर दियां। अब बोटल नेक पर अवरोधक का टेम्परेरी ढक्कन लग जाने से थोड़ी सी राहत तो मिल ही जाएगी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता यूजीसी के संयुक्त सचिव प्रो. जी.एस. चौहान ने कहा कि "समाज सेवा तभी सार्थक है जब उसमें महिलाओं और बालिकाओं की समान भागीदारी हो।" उन्होंने कहा कि बालिकाएँ केवल परिवार की नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। नारी सशक्तिकरण कोई नारा नहीं, बल्कि समाज की संवेदनशील चेतना का प्रतीक है, जो भारत को समावेशी और प्रगतिशील दिशा प्रदान करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि बालिका समाज की जीवंत शक्ति है। शिक्षित और आत्मनिर्भर बालिका आज विज्ञान, प्रशासन और नेतृत्व के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। यह परिवर्तन समाज की सोच में आए सकारात्मक बदलाव का परिणाम है। कुलाधिपति भंवर जी गुर्जर एवं कुल प्रमुख ने अपने संदेश में कहा कि "राष्ट्रीय बालिका दिवस आत्ममंथन का अवसर है। हर बालिका में सृजन और परिवर्तन की अपार शक्ति निहित है। जब वह शिक्षित और आत्मनिर्भर बनेगी, तभी राष्ट्र अपने वास्तविक सामर्थ्य तक पहुँचेगा।" संगोष्ठी में बी.एन. विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह, प्रो. गजेन्द्र माथुर, प्रो. आई.जी. माथुर, प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. भूरालाल श्रीमाली, डॉ. अनीता कोठारी सहित अनेक शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अमी राठौर द्वारा किया गया।

छात्र-छात्राएं लौटे निराश - जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में गड़बड़झाला



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 अक्टूबर। शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागौरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुवाणा के तत्वावधान में 8 से 11 अक्टूबर तक आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में अव्यवस्थाओं और पक्षपात के आरोप सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता का पारितोषिक वितरण समारोह शनिवार को विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय स्टाफ के सदस्यों ने आपस में ही स्मृति चिन्हों का आदान-प्रदान किया, जबकि विजेता खिलाड़ियों में केवल अपनी पसंद के स्कूलों के छात्र-छात्राओं को ही मेडल और पुरस्कार दिए गए। जब अन्य विद्यालयों के विजेता छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों ने इस पर आपत्ति जताई तो विद्यालय स्टाफ के लोगों ने विरोध करने वालों से अभद्र व्यवहार किया। विवाद बढ़ने पर बाद में यह कहा गया कि मेडल संबंधित विद्यालयों में भेज दिए जाएंगे। करीब चार घंटे तक चले इस समारोह के बाद अधिकांश विजेता खिलाड़ी और उनके परिजन निराश होकर लौट गए। दूरदराज से आए खिलाड़ियों ने कहा कि ऐसे आयोजन प्रतिभाओं का मनोबल तोड़ते हैं और प्रतियोगिता की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हैं।

विद्यालय स्तरीय प्रबल कार्यक्रम आयोजित



24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नगर के पीएमश्री महिपाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सागवाडा में विद्यालय स्तरीय प्रबल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 22 विद्यार्थियों ने भाग लिया इस विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की और से डिजिटल साक्षरता ,जलवायु परिवर्तन,स्वजागरूकता विषय पर अपने विचार प्रकट किये गए। कार्यक्रम का आयोजन उमाकान्त व्यास मुख्य आतिथ्य,संस्था प्रधान वेलचन्द पाटीदार अध्यक्षता,मुकेश कुमार भावसार,अवनीश पंचाल, उमेश पाटीदार,पियूष पुरोहित विशिष्ठ अतिथि में आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य,व्यास,भावसार और प्रभारी रतनलाल रेबारी द्वारा 21 सदी कौशल विकास के प्रकार और क्षेत्र के बारे में अपने विचार व्यक्त किये गए प्रतियोगिता में कनक भोई प्रथम,तरन्नुम मन्सूरी ने द्वितीय,सानिया शैख ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबम्ध,चित्रकला में चार्ट,भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर निधि दीक्षित,नेहल पाटीदार,रंजना पाटीदार,चन्दा सतिया सिन्धी,सुन्दरलाल, विमलेश पाटीदार,भरत भागरिया सहित अभिभावक,गुरुजन एवं विद्यार्थी उपस्थित थे ।

अमित शाह सोमवार को जयपुर आएंगे - नए आपराधिक कानूनों पर छह दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी का करेंगे शुभारंभ

150 यूनिट फ्री बिजली योजना का रजिस्ट्रेशन और 8 हजार करोड़ की योजनाओं का होगा लोकार्पण



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 11 अक्टूबर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को जयपुर पहुंचेंगे। उनके दौरे के दौरान राज्य सरकार नए आपराधिक कानूनों के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जयपुर एग्जिबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा में 13 से 18 अक्टूबर तक चलने वाली छह दिवसीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ करेगी।

यह प्रदर्शनी दंड के स्थान पर न्याय की अवधारणा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा तथा कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

नई योजनाओं का शुभारंभ और बड़े प्रोजेक्ट्स की ग्राउंडिंग प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ ही गृह मंत्री अमित शाह 150 यूनिट निशुल्क बिजली योजना के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत करेंगे। इसी कार्यक्रम में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के 8 हजार करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण भी किया जाएगा। इसके अलावा 4 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंडिंग मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और अमित शाह के द्वारा डिजिटल रूप में की जाएगी। इस अवसर पर 47 हजार विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म के लिए 260 करोड़ रुपये उनके खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे, जबकि दुग्ध उत्पादकों को 364 करोड़ रुपये की सब्सिडी बीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

राज्य सरकार की "विकसित राजस्थान 2047" डॉक्युमेंट का विमोचन भी इसी मंच से प्रस्तावित है।

मुख्य सचिव बोले – दंड से न्याय की दिशा में बड़ा कदम

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बताया कि नए कानूनों के लागू होने से देश "दंड से न्याय की ओर" बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में प्रत्येक ब्लॉक को इस अवधारणा के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे आमजन नए कानूनों को आसानी से समझ सकें। प्रदर्शनी के बाद अमित शाह एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे और राज्य सरकार के कुछ अन्य प्रमुख प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी करेंगे।

डीजीपी बोले – नई आपराधिक संहिताओं को समझने का अवसर

डीजीपी राजीव शर्मा ने बताया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को नए आपराधिक कानूनों की विशेषताओं और उनके लाभों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि पुराने कानूनों को विस्तृत शोध, अध्ययन और चर्चा के बाद बदला गया है ताकि न्याय प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और पीड़ित केंद्रित हो सके। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई नये प्रावधान जोड़े गए हैं। प्रदर्शनी में छात्रों, नागरिकों और विधि क्षेत्र से जुड़े लोगों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है ताकि वे इन बदलावों को गहराई से समझ सकें।

प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण

नए कानूनों — भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 — की उपयोगिता को सरल रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। न्याय प्रणाली को पारदर्शी व प्रौद्योगिकी-संचालित बनाने के प्रयासों को लाइव डेमो, वीडियो और लघु चलचित्रों के माध्यम से दर्शाया जाएगा। समयबद्ध न्याय की अवधारणा, नागरिक-केन्द्रित प्रावधानों और अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की नीति को उजागर किया जाएगा। प्रदर्शनी में पुलिस, अभियोजन, न्यायपालिका, कारागार और फोरेंसिक विभाग में आए बदलावों को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

सीबीआई अधिकारी बनकर डिजिटल गिरफ्तारी कर ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, चित्तौड़गढ़ साइबर थाना पुलिस ने दिल्ली और यूपी से तीन आरोपी पकड़े, एक बाल अपचारी डिटेन



24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। चित्तौड़गढ़ साइबर थाना पुलिस ने सीबीआई अधिकारी और फर्जी न्यायालय बनाकर डिजिटल अरेस्ट (Digital Arrest) के जरिए लाखों रुपए की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन आरोपियों को दिल्ली और उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया, जबकि एक बाल अपचारी को डिटेन किया गया है।

बड़ीसादड़ी निवासी से 27.80 लाख की ठगी

पुलिस के अनुसार, 2 अक्टूबर को बड़ीसादड़ी निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 28 सितंबर को उसे एक अज्ञात व्यक्ति ने कॉल कर खुद को ट्राई (TRAI) का अधिकारी बताया। कॉलर ने कहा कि प्रार्थी के नाम से मुंबई में सिम कार्ड लिया गया है और उस पर एफआईआर दर्ज है। इसके बाद कॉल मुंबई के एक कथित सीबीआई अधिकारी से जोड़ दिया गया, जिसने वीडियो कॉल पर पुलिस वर्दी में खुद को अधिकारी बताते हुए कहा कि प्रार्थी के खिलाफ सीबीआई में मामला दर्ज है, जिसमें एक व्यक्ति का एनकाउंटर हो चुका है और उसके पास से ऐसा एटीएम कार्ड मिला है जिसमें प्रार्थी का नाम है।

फर्जी अधिकारी ने वीडियो कॉल पर कथित 'कोर्ट पेशी' दिखाई और फर्जी न्यायालय आदेश के आधार पर प्रार्थी से उसकी एफडी (Fixed Deposit) 27.80 लाख तुड़वाकर फ्रॉड खातों में ट्रांसफर करवा लिए।

तीन आरोपी गिरफ्तार, एक नाबालिग निरुद्ध

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी (IPS) ने साइबर अपराधों की रोकथाम के निर्देश दिए। एएसपी सरिता सिंह और डीएसपी गिरिराज गर्ग के सुपरविजन में, थाना प्रभारी निरीक्षक पोखरमल के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने गाजियाबाद और दिल्ली में दबिश देकर तीन आरोपियों — आशीष तिवारी पुत्र उमेश चन्द्र तिवारी (एल-303, सेक्टर 12, प्रताप विहार, गाजियाबाद, यूपी) दीपक पाराशर पुत्र आनंद पाराशर (सी-499, योजना विहार, शकरपुर, ईस्ट दिल्ली) मोहम्मद शाकिब उर्फ शिवा पुत्र अब्दुल खालिक अंसारी (गोंडे, थाना चिलबिला सदर, प्रतापगढ़, यूपी) — को गिरफ्तार किया। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी दिल्ली से निरुद्ध किया गया।

ठगी का तरीका (Modus Operandi)

आरोपी खुद को सीबीआई या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों को डराते थे कि उनके खिलाफ गंभीर प्रकरण दर्ज है। इसके बाद उन्हें "डिजिटल अरेस्ट" दिखाकर वीडियो कॉल के जरिए फर्जी कोर्ट ट्रायल करते और APK फाइल इंस्टॉल करवाकर मोबाइल फोन हैक कर खाते से रकम उड़ा लेते थे।

पुलिस टीम

कार्रवाई में डीएसपी गिरिराज गर्ग, निरीक्षक पोखरमल, साइबर सेल हेड कांस्टेबल राजकुमार, देव शर्मा, ललिता, रामनिवास, धर्मपाल, गणपत, महेंद्र, मुकेश, संदीप, संजय, अजित गढ़वाल, निर्मल और स्वाति सहित पूरी टीम की अहम भूमिका रही।

बाड़मेर पुलिस की बड़ी कामयाबी: 22 किलो डोडा पोस्त तस्करी का 10,000 का इनामी अपराधी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 11 अक्टूबर। जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ के विशेष अभियान के तहत थाना सदर और डीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी के एक पुराने मामले में 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी रमेश कुमार पुत्र गेनाराम जाट निवासी डुगेरो का तला थाना सदर बाड़मेर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक मीना ने बताया कि विशेष अभियान धरकरभर के तहत यह कार्रवाई की गई। शुक्रवार को डीएसटी टीम को मुलजिम के शिव नगर बाड़मेर में आने की पुख्ता सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर डीएसटी और सदर पुलिस की संयुक्त टीम ने फरार इनामी अपराधी रमेश कुमार को दस्तयाब कर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।



खेलों से खिलेंगे सपने, खेल को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं : चंद्रशेखर जोशी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 अक्टूबर। "गांव-गांव में खेल मैदान फिर से आबाद हों, खेल प्रतिभाएं आगे आएं और हर नागरिक अपने जीवन में खेल को दिनचर्या का हिस्सा बनाए — तभी स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।" यह बात सांसद खेल महोत्सव के उदयपुर लोकसभा संयोजक चंद्रशेखर जोशी ने शुक्रवार को सलूंबर जिले के मेवल मंडल के सराड़ी, दातरड़ी, कानपुरा और खरका तालाब में आयोजित खेल महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर कही। जोशी ने कहा कि आज मोबाइल और टेलीविजन के युग में गाँवों के खेल मैदान सूने पड़ चुके हैं, पारंपरिक खेलों की रौनक कम हो गई है। ऐसे में सांसद खेल महोत्सव का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि खेल सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली का आधार हैं।

उन्होंने कहा, "खेलों से ही सपने खिलेंगे। शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहेंगे तो जीवन के हर क्षेत्र में व्यक्ति अपनी भूमिका मजबूती से निभा सकेगा। नागरिक जितने फिट होंगे, राष्ट्र भी उतना ही फिट होगा।" जोशी ने इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों से प्रतिदिन एक घंटा खेल को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प दिलवाया। भाजपा मेवल मंडल अध्यक्ष नाहर सिंह राठौड़ ने बताया कि तीन चरणों में होने वाली इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'खेलो इंडिया, फिट इंडिया' अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे उचित मंच, सुविधाएं और प्रोत्साहन दिया जाएगा। खेल महोत्सव के दौरान लोकसभा संयोजक चंद्रशेखर जोशी ने कबड्डी खेलकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया, वहीं मंडल अध्यक्ष नाहर सिंह राठौड़ ने रस्साकसी में भाग लेकर खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया।

इस अवसर पर भाजपा मेवल मंडल प्रतिनिधि झमकलाल जैन, मंडल महामंत्री लालूराम पटेल, मंडल उपाध्यक्ष रामलाल मेघवाल, भाजयुमो अध्यक्ष प्रकाश पटेल, सरपंच गंगाराम भील, सरपंच नगराज मीणा, पंचायत समिति सदस्य लोगर मीणा, अशोक सुथार, विद्यालय प्राचार्य, शारीरिक शिक्षक, खेल अधिकारी, सचिव, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीकर में दिल दहला देने वाली घटना, महिला ने 4 बच्चों के साथ की आत्महत्या



24 न्यूज अपडेट

शहर में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक ही परिवार के पांच लोगों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली. जानकारी के अनुसार, महिला किरण उर्फ पिंकी चौधरी ने अपने चार बच्चों के साथ अनिरुद्ध रेजिडेंसी स्थित फ्लैट में आत्महत्या की. पुलिस का कहना है कि यह घटना कई दिन पुरानी है और शव सड़ चुके हैं.

फ्लैट से आने लगी तेज दुर्गंधः सीओ सुरेश शर्मा ने बताया कि फ्लैट काफी दिनों से बंद था और बिल्डिंग से तेज दुर्गंध आ रही थी. आसपास के लोगों को जब बदबू आई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लैट का दरवाजा खुलवाया गया. जैसे ही पुलिस टीम अंदर गई, तो चार बच्चों और महिला के शव फर्श पर पड़े मिले. सीओ ने कहा कि स्थिति इतनी भयावह थी कि अंदर घुसना मुश्किल हो रहा था. दुर्गंध कम करने के लिए पुलिस ने अगरबत्ती और इत्र का उपयोग किया, तब जाकर टीम अंदर प्रवेश कर सकी.

पति से अनबन के चलते रह रही थी अलगः सीओ सुरेश शर्मा के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि किरण अपने पति से अनबन के चलते पिछले कुछ समय से बच्चों के साथ अलग रह रही थी. सीओ ने बताया कि किरण का पहले पति से 2019 में तलाक हो गया था, जिससे उसे एक बेटा और एक बेटी थी. इसके बाद उसने दूसरी शादी की, जिससे भी एक बेटा और एक बेटी हुई.

पुलिस ने शुरू की जांचः फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है. पुलिस ने मौके से सबूत एकत्रित कर जांच शुरू कर दी है. पड़ोसियों के अनुसार, फ्लैट करीब एक सप्ताह से बंद था और परिवार के किसी सदस्य को कई दिनों से देखा नहीं गया था. सीओ ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मृत्यु का सही समय और कारण स्पष्ट हो पाएगा. पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह सामने आ सके.

नदी में कूदे युवक को कॉन्स्टेबल ने सीपीआर देकर बचाया

24 न्यूज अपडेट

कोटा में युवक ने छोटी पुलिया से चंबल नदी में छलांग लगा दी। मौके पर पहुंचे कॉन्स्टेबल ने युवक को पानी से बाहर निकाला। फिर सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। युवक पुलिसकर्मी से उलझने लगा। बोला- मुझे क्यों बचाया मैं तो मरने ही आया था।

पुलिस लाइन में तैनात कॉन्स्टेबल देवेंद्र सिंह ने बताया- शुक्रवार शाम को नयापुरा थाने की चेतक पर ड्यूटी थी। इस दौरान सूचना मिली कि एक युवक छोटी पुलिया से चंबल नदी में कूद गया। इस



पर मौके पर पहुंचे। युवक डूब रहा था। देखा तो कुन्हाडी की तरफ बापू बस्ती के किनारे चंबल में नाव चल रही थी।

कॉन्स्टेबल देवेंद्र सिंह ने बताया- युवक बचाने के लिए चिल्ला भी रहा था।ऐसे में उस किनारे पर पहुंचे और नाव वाले से मदद मांगी। नाव वाले की मदद से युवक को पकड़कर किनारे तक लाए।

युवक को सीपीआर देने के बाद एमबीएस हॉस्पिटल लेकर गए। इमरजेंसी डॉक्टर ने उसे चेक किया तो उसकी स्थिति ठीक थी। युवक पुलिस से उलझने लगा कि मुझे क्यों बचाया, मैं तो मरने ही आया था। ऐसे में पुलिसकर्मी वहां से निकल गए। इधर, युवक भी अस्पताल से चला गया।

सांसद राजकुमार रोत को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

कहा - शराब के नशे में किया था कमेंट, होश में आने पर डिलीट कर दिया



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 अक्टूबर। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत को सोशल मीडिया पर लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उदयपुर साइबर थाने में दर्ज इस मामले में पुलिस ने आरोपी की पहचान चंद्रवीर सिंह परिहार (65), निवासी धूलजी का गड़ा, थाना लोहारिया, बांसवाड़ा के रूप में की है। मामला 7 अक्टूबर का है, जब सांसद रोत उदयपुर में आदिवासी मुद्दों पर प्रेस वार्ता कर रहे थे। उस दौरान एक व्यक्ति ने लाइव प्रसारण के दौरान कमेंट किया — "जो कोई सांसद राजकुमार रोत को गोली मारे, मैं उसे 1 करोड़ रुपए इनाम दूंगा।" यह धमकी सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई, जिसके बाद साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी चंद्रवीर सिंह ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने शराब के नशे में यह टिप्पणी की थी। बाद में होश आने पर उसने धमकी भरी पोस्ट डिलीट कर दी थी। आरोपी ने बताया कि उसने सांसद रोत से संबंधित कुछ पोस्टें देखी थीं, जिनसे प्रभावित होकर उसने यह कदम उठाया। गिर्वा डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के अनुसार, उदयपुर और बांसवाड़ा की साइबर टीम ने तकनीकी निगरानी के माध्यम से आरोपी को ट्रेस कर गिरफ्तार किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट और आपराधिक धमकी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया पर हिंसा या धमकी भरी टिप्पणियाँ गंभीर अपराध मानी जाती हैं और ऐसे मामलों में तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पहले खाओ, फिर तोड़ो : एक और "हैप्पी दीवाली" महाभ्रष्ट यूडीए ने की होटल सीज,

4 हजार वर्गफीट में निर्माण हुआ तब क्या अफसर सो रहे थे या फिर खा रहे थे रिश्वत!!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मनवाखेड़ा राजस्व ग्राम स्थित "जी-2 का राजघराना" नाम से बनाए गए होटल और रेस्टोरेंट को सील कर दिया। यह होटल लगभग 4000 वर्गफीट क्षेत्र में बिना रूपांतरण और स्वीकृति के बनाया गया था।

जानकारी के अनुसार, कंशुलाल पिता दोलाराम डांगी और लक्ष्मी पत्नी केशुलाल डांगी द्वारा बनाए गए इस व्यावसायिक निर्माण पर यूडीए अधिनियम-2023 की धारा 32 के तहत प्रकरण संख्या 05/2025 दर्ज किया गया था। सुनवाई के बाद 6 अक्टूबर 2025 को अवैध निर्माण के विरुद्ध आदेश जारी हुए थे, मगर निर्माण नहीं हटाने पर अब धारा 36 के तहत भवन को सील करने की कार्रवाई की गई। प्राधिकरण के अधिकारी और पुलिस जाप्ता मौके पर मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी-अवैध निर्माण पहले, कार्रवाई बाद में

यूडीए की यह कार्रवाई जहां दिखावे में "सख्ती" मानी जा रही है, वहीं शहर में एक बार फिर वही पुराना सवाल गूंजने लगा है कि जब यह अवैध होटल बन रहा था, तब यूडीए के अफसर कहाँ थे?



मनवाखेड़ा में इतनी बड़ी होटल बिल्डिंग तैयार हो जाए और प्राधिकरण को भनक तक न लगे क्या यह किसी भी सूरत में संभव नहीं। लोगों का कहना है कि यह मामला साफ तौर पर रिश्वतखोरी और मिलीभगत की देन है। सूत्र बताते हैं कि निर्माण के दौरान यूडीए के कुछ अफसरों और उनके दलालों ने जमकर वसूली की होगी।

"पहले बनने दो, बाद में तोड़ो" -यूडीए का नया फार्मूला!

यूडीए में वर्षों से यही पैटर्न चलता आ रहा है - पहले रिश्वत लेकर अवैध निर्माण होने दो, फिर जब भवन पूरी तरह बनकर कमाई का जरिया बन जाए, तब राजनीतिक दबाव या दिखावे में कार्रवाई कर दो। बीच में नोटिस देने का नाटक भी किया जाता है ताकि कानूनी रूप से अफसरों की जिम्मेदारी तय न हो सके।

जनता पूछ रही है - "अगर अवैध निर्माण हुआ है तो सिर्फ मालिक पर नहीं, ड्यूटी पर तैनात अफसरों पर भी कार्रवाई क्यों नहीं होती?"

जनता के टैक्स से पल रहा भ्रष्ट सिस्टम

यूडीए में बैठे अफसर जनता के टैक्स के पैसों से तनख्वाह ले रहे हैं, लेकिन उन्हीं की आंखों के सामने शहर भर में अवैध निर्माण फल-फूल रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक भ्रष्ट अफसरों और उन्हें संरक्षण देने वाले नेताओं पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह "कार्रवाई का नाटक" चलता रहेगा।

आर के सर्कल पर फेल हुआ भाजपा का 'हार्डकोर हार्डवेयर',

मुद्दा बनता देख 'ओल्ड गार्ड सॉफ्टवेयर' ने संभाली डेमेज कंट्रोल की कमान, एक्सपोज हुई यूडीए अफसरों की चरण-वंदना!!



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। कल आर के सर्कल पर हुई यूडीए की 35 से अधिक दुकानों को सीज करने की कार्रवाई के बाद से व्यापार जगत में ऐसा घमासान मचा हुआ है कि भाजपा का कोर ग्रुप तक बेचैन हो उठा है। कल से आज तक जो छीछालेदर शहर भाजपा की हुई है वह इससे पहले इतनी तेजी से कभी नहीं हुई। लोग पूछ रहे हैं कि दीपावली से पहले इस तरह की कार्रवाई और वो भी कुछ लोगों के कहने पर और मंत्रीजी के इशारे पर आखिर बिना सोचे समझे कैसे कर दी। इसके लॉन्ग टर्म पॉलिटिकल लॉस का अंदेशा होते ही पूरी पार्टी घुटनों पर आ गई और प्लान बी तैयार हुआ कि हार्डकोर हार्डवेयर के फेल होने के बाद ओल्ड गार्ड सॉफ्टवेयर मामले में डेमेज कंट्रोल की कमान संभालेंगे।

हार्डकोर के प्रति लोगों में तब से गुस्सा व्याप्त है जब से उसने अति आवेश और अति उत्साह में आकर अपने मसल पावर का इस्तेमाल कर लिया था। जिस जिस ने वीडियो देखा, उस उस ने लानत भेजी। बहरहाल, आज जब लगभग मरणासन्न और गिनती की सांसें ले रही जिला कांग्रेस को जब यह पता चला कि इस मुद्दे में जनहित का स्पार्क है और लॉंग टर्म पॉलिटिकल केपिटल गेन है तो यूथ कांग्रेस एक्शन में आ गई। विरोध के वीडियो शेयर होते ही कांग्रेस खेमे की बांछें खिल गई तो भाजपा के खेमे में चिंता समान चिंता पसर गई। अब खबर यह आई है कि सॉफ्ट, साफ सुथरी छवि वाले वरिष्ठ नेता मांगीलालजी जोशी को मैदान में उतारा गया है। उन्होंने एक पत्र जारी करके लिखा है कि -

मैने जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ के साथ अपने निवास पर मीटिंग की। इस त्यौहारी सीजन में यूडीए द्वारा पार्किंग की आड़ में सीज की कार्यवाही ठीक नहीं है। भाजपा नेताओं के नाम जुड़ने से पार्टी की साख पर भी सवाल उठ रहे थे। ऐसे में शहर विधायक ताराचंद जैन के साथ टेलीफोन पर और गजपाल सिंह राठौड़ को अपने निवास पर बुलाकर इस मामले में आवश्यक चर्चा की। चर्चा में मुख्य रूप से तय हुआ कि सभी सांसदों- विधायकों और अधिकारियों के साथ इस विषय पर चर्चा करके समस्या का हर सम्भव समाधान निकाला जाएगा। साथ ही दुकानदारों को नियमानुरूप व्यवस्था करने के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय दिया जाए।इस पर जिलाध्यक्ष राठौड़ ने विश्वास दिलाया कि यू डी ए कार्यवाही से प्रभावित दुकानदारों को राहत दिलाने के लिए पार्टी की तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस मामले में भाजपा नेताओं का नाम आया है लेकिन उनकी तरफ से मंत्री जी को दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण की शिकायत मात्र की गई थी। लेकिन यू डी ए ने कार्यवाही में कुछ अधिक सख्ती बरत ली। फिलहाल हम दुकानदारों को जल्द से जल्द राहत दिलाने के लिए प्रयासरत है ताकि त्यौहारों में किसी भी दुकानदार को किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे यथावत अपनी रोजी रोटी के लिए अपना काम सुचारू रूप से चला सके।

इस चिट्ठी से साफ हो रहा है कि भाजपा को इस मामले में कितने अंदरूनी राजनीतिक घाव लगे है। यह घाव कहीं नासूर नहीं बन जाए इसलिए उन लोगों को जिम्मेदारी दी गई है जो अब तक गुलाबजी की वजह से लगभग हाशिये पर धकेल दिए गए थे। क्या आरके सर्कल को हम भाजपा का भी सर्कल रिवाइव मोमेंट कह सकते हैं जिसमें ओल्ड गार्ड फिर से अपनी छवि के साथ मैदान में उतर रहे हैं और उसी के सहारे पार्टी अपनी खोती साख को बचाने का प्रयास करती नजर आ रही है।

आपको बता दें कि शहर में भाजपा और कांग्रेस नेताओं के भी कई बड़े प्रतिष्ठान, होटलें आदि हैं। क्या उनके बाहर पार्किंग की सुविधा है। दोनों दल इस बात से डरे हुए हैं कि जनता जब ये सवाल पूछेगी तो कहां मुंह छिपाते फिरेंगे?? क्या तर्क देंगे?? खास तौर पर भाजपा जब सत्ता में है और आरके सर्कल की कार्रवाई में यह साफ दिख रहा है कि यूडीए नेताओं की पिछलग्गू बनकर एकतरफा मनमानी कार्रवाई भाजपा के कहने पर कर गई है तो फिर उसके साइड इफेक्ट होना भी तय है।

आपने ऐसा कब देखा कि किसी बड़ी कार्रवाई के बाद ऐसा डेमेज कंट्रोल किया जाए व कहा जाए कि अच्छा चलो, बात करते हैं। और समय दे देते हैं ताकि जो कुछ कर रहे हैं उसको कानूनी जामा पहनाया जा सके। ऐसा अव्वल तो होता नहीं है, और हुआ है तो फिर इसकी भी नजीर देकर आगे भी रियायतें मांगी जाती रहेगी। याने अगर भाजपा के किसी खेमे ने तत्काल राहत के लिए जिम्मा उठाया है तो फिर उसको आगे भी इसी तरह की कार्रवाइयों में राहत का जिम्मा उठाना होगा, नहीं उठाएंगे तो वहां पॉलिटिकल नुकसान होगा। बरहाल, यह डिवलपमेंट शहरवासियों के लिए बहुत अच्छा है कि भाजपा पॉलिटिकल लॉस के डर से ही सही, व्यापारियों के पक्ष में खड़ी नजर आ रही है। वरना इससे पहले तो धुआंधार एकतरफा बल्लेबाजी हो रही थी। कोई किसी की सुनने तक को तैयार नहीं था। इस कार्रवाई से यूडीए के अफसर भी एक्सपोज हो गए हैं। वे तनख्वाह तो जनता के टेक्स के पैसो की लेते हैं लेकिन चाकरी सत्ता प्रतिष्ठान की बजाते हैं। उनके इशारों पर नाचते ही नहीं है बल्कि चरण वंदना तक करते हैं। जनता चाहती है कि वे जिस काम के लिए अपॉइंट किए गए हैं उसमें वे लॉयल रहें, रीढ की हड्डी को तानकर रखें। कट मनी के चक्कर में जनता की ऐसी की तैसी नहीं करे। नेता भी याद रखें कि एक बार विश्वास डोल गया जनता का तो फिर उनकी गुरूर वाली कुर्सी को डोलने में भी ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

चित्तौड़गढ़ में बड़ी चोरी: एडवोकेट के घर से 82 लाख रुपए के गहने और नकद ले उड़े चोर, पूरा परिवार इलाज के लिए उदयपुर में था, घर सूना पाकर चोरों ने दिया वारदात को अंजाम



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 11 अक्टूबर। शहर के विद्युत नगर कॉलोनी में शुक्रवार रात एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई। कॉलोनी में रहने वाले एडवोकेट विजय चोपड़ा के घर से करीब 82 लाख रुपए का सामान चोरी हो गया। इसमें लगभग 65 लाख रुपए के सोने के गहने, डेढ़ लाख रुपए की चांदी और करीब 15 लाख रुपए नकद शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट चोपड़ा की तबीयत करीब दस दिन पहले बिगड़ गई थी, जिसके बाद परिजनों ने उन्हें उदयपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उनका बेटा अमन चोपड़ा और छोटा बेटा रोमिल चोपड़ा भी वहीं रह रहे थे, जिससे घर पूरी तरह सूना था। डॉक्टरों की सलाह पर बाद में मरीज को अहमदाबाद ले जाने की तैयारी चल रही थी, इसी बीच चोरों ने मौका पाकर घर को निशाना बना लिया। गेट और अलमारियों के ताले तोड़े, नकद और गहने गायब

अमन चोपड़ा ने बताया कि उसका भाई रोमिल दो दिन पहले कुछ पैसों के इंतज़ाम के लिए चित्तौड़गढ़ आया था और करीब 15 लाख रुपए घर में रखकर वापस उदयपुर चला गया। शुक्रवार दोपहर तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन रात करीब 10 बजे उनके दोस्त गौरव खेरोडिया ने देखा कि घर का मुख्य गेट टूटा हुआ है और अंदर लाइट जल रही है।

शक होने पर उसने तुरंत अमन को सूचना दी।

अमन रात में उदयपुर से लौटे तो पाया कि गेट, दरवाजे और अलमारियों के सभी ताले टूटे हुए थे। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर 500 से 600 ग्राम सोना, लगभग 1 किलो चांदी और 15 लाख नकद गायब मिले। चोर दो सूटकेस भी उठा ले गए जिनमें कपड़े और अन्य सामग्री रखी थी।

पुलिस ने की जांच, साइबर सेल और MOB टीम जुटी

शनिवार सुबह अमन ने घटना की सूचना सदर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही डीएसपी शहर विनय चौधरी, थानाधिकारी निरंजन प्रताप सिंह, एएसआई अमर सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घर का मुआयना किया और आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। चोरी की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और एमओबी (मोबाइल ऑब्जर्वेशन ब्रांच) की टीमों को भी बुलाया गया। उन्होंने फिंगरप्रिंट्स और मोबाइल टावर लोकेशन के आधार पर सुराग जुटाने की कोशिश की।

पुलिस को अंदरूनी जानकारी होने का शक

प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि चोरों को परिवार के बाहर होने की जानकारी पहले से थी और उन्होंने पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। कॉलोनी में आसपास कम घर होने के कारण चोरों ने इस अवसर का फायदा उठाया और रात के समय चोरी कर फरार हो गए। पुलिस अब आसपास के इलाकों के संदिग्धों और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

माली समाज पंचायत संस्थान ने किया सामूहिक करवा चौथ उद्यापन

- 29 जोड़ों ने किया पारंपरिक पूजा, 4000 लोगों ने लिया प्रसाद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पति की लंबी उम्र और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना को लेकर सुहागिनों ने शनिवार को पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से करवा चौथ का व्रत रखा। इस अवसर पर माली समाज पंचायत संस्थान, उदयपुर की ओर से सामूहिक करवा चौथ उद्यापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चित्रकूट नगर ए ब्लॉक, भुवाणा स्थित माली समाज भवन में आयोजित हुआ, जहां समाज के विभिन्न इलाकों से बड़ी संख्या में परिवार पहुंचे और इस आयोजन को पारिवारिक उत्सव का रूप दिया।

29 जोड़ों ने किया सामूहिक उद्यापन

इस समारोह में कुल 29 विवाहित जोड़ों ने विधि-विधानपूर्वक सामूहिक करवा चौथ उद्यापन किया। महिलाओं ने पारंपरिक श्रृंगार धारण कर चौथ माता की पूजा-अर्चना और करवा चौथ कथा श्रवण किया। इसके बाद सभी ने सामूहिक रूप से चंद्र दर्शन कर पति की दीर्घायु और परिवार की समृद्धि की कामना की। पूरे समारोह में भक्ति और सौहार्द का वातावरण रहा — महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में सजीं, पुरुष अपने जीवनसाथियों के साथ सहभागी बने, और सभी ने एक-दूसरे को आशीर्वाद दिया।

सामूहिक भोज में 4000 लोगों ने लिया प्रसाद

समारोह के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 4000 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे भवन और परिसर में धार्मिक गीतों, साज-सज्जा और उल्लासपूर्ण माहौल से उत्सव की झलक दिखाई दी।

एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश

माली समाज पंचायत संस्थान के अध्यक्ष कैलाश धौलासिया ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि समाज में एकता, सद्भाव और संगठितता को बढ़ावा देने का प्रयास है। "करवा चौथ का यह सामूहिक उद्यापन समाज को जोड़ने और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रतीक है," उन्होंने कहा। हर वर्ष नियमित आयोजन का निर्णय कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं ने प्रस्ताव रखा कि इस तरह के सामूहिक उद्यापन समारोह को प्रति वर्ष नियमित आयोजन के रूप में मनाया जाएगा, ताकि परंपराओं और पारिवारिक संस्कारों का संरक्षण बना रहे।

कैंसर और निःसंतान दंपत्तियों के लिए वरदान साबित हो रहा औषधीय हवन,

नवरात्रों के दौरान हुआ आयोजन अब हर रविवार नियमित रूप से होगा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 11 अक्टूबर। माता वैष्णो देवी मंदिर (नाथद्वारा रोड) स्थित परिसर में नवरात्रा पर्व के अवसर पर नौ दिनों तक निरंतर औषधीय हवन का आयोजन किया गया। इस दिव्य अनुष्ठान में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त किया। श्रद्धालुओं की बढ़ती रुचि को देखते हुए अब यह हवन प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। आयुर्वेद आचार्य शोभालाल औधिच्य ने बताया कि इस विशेष हवन में लगभग 70 प्रकार की औषधियों की आहुति दी गई। हवन से उत्पन्न औषधीय धुनी को श्रद्धालुओं द्वारा श्वास के माध्यम से ग्रहण किया गया, जिससे शरीर में औषधीय तत्वों का प्रभाव पड़ा। उन्होंने बताया कि इस विधि से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में लाभ देखा गया है, वहीं निःसंतान दंपत्तियों को संतान सुख की प्राप्ति में भी सकारात्मक परिणाम मिले हैं। आचार्य औधिच्य ने कहा कि औषधीय हवन का उल्लेख प्राचीन आयुर्वेद ग्रंथों और शास्त्रों में भी मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, यह हवन शरीर की नाड़ियों को शुद्ध करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मानसिक तनाव को दूर करता है। समाजसेवी हरीश राजानी ने बताया कि नवरात्रों के नौ दिनों तक इस हवन में भाग लेने से उन्हें मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और शारीरिक स्फूर्ति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि हवन के दौरान मंदिर परिसर में व्याप्त औषधीय सुगंध से वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहा। श्रद्धालुओं की मांग पर अब यह आयोजन प्रत्येक रविवार को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। मंदिर प्रबंधन समिति के प्रमुख सुनील खत्री ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता और लाभ को देखते हुए यह औषधीय हवन हर रविवार सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। मंदिर मुखिया खत्री ने कहा कि "हवन स्थल पर जितनी देर तक व्यक्ति बैठता है, उतना अधिक लाभ उसे प्राप्त होता है, क्योंकि शरीर अधिक मात्रा में औषधीय धुनी को ग्रहण करता है। यह पारंपरिक भारतीय विधि आज भी आधुनिक चिकित्सा का पूरक बनकर चमत्कारिक परिणाम दे रही है।"

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।